कैसे परमेश्वर आपके विवाहित जीवन को पुनः बना सकता है और बचायेगा

स्त्रियों के लिये पुस्तक

स्वयं के अनुभव के आधार पर

एरिन थिले

आठवाँ संशोधित अंक

कैसे परमेश्वर आपके विवाहित जीवन को पुनः बना सकता है और बचायेगा

(स्वयं के अनुभव के आधार पर)

एरिन थिले

आठवा संशोंधित अंक ,

द्वारा प्रकाशित

रिस्टोर मिनिस्ट्रीज पब्लिशिंग आठॅवा संपादन

पो.ओ.बॉ 830

ओजार्क .एम.ओ 6572

यू एस ए

रिस्टोर मिनिस्ट्रीज से ली गई ये सामाग्री पूर्णतः महिलाओं को प्रोत्साहित करती है।
अधिक जानकारी के लिये देखिये –

Encouragingwomen.org
RestoreMinistries.net

इस किताब को मुद्रित करने या प्रतिलिपि करने की अनुमति लेखक की ओर से सिर्फ उन्हीं को दी गई है जो इसका उपयोग दूसरे लोगों के उत्साहवर्धन व जानकारी देने के लिये करना चाहते है। यद्पि इसकी कॉपीज व पुनः प्रकाशित अंक बिना अनुमति के बेचे नहीं जा सकते । **यह पहले भी बताया गया है कि अधिकतम बाईबल के पद** न्यू अमेरिकन स्टेन्डर्ड बाईबल (NASB) से लिये गये है । जिन पदों पर KJV लिखा है वे किंग जेम्स वर्शन ऑफ द बाईबल से लिखा गया है । जिन पदों पर NV अंकित है वे न्यूं इंटरनेशनल वर्शन से लिये है। हमारी मिनिस्ट्रीज बाईबल के सभी अनुवाद के प्रति निष्पक्ष है। एवं हम सभी अनुवाद को पसंद करते है।

यह हमारी प्रार्थना एवं आशा है कि हम किसी भी डिनोमिशन की महिला की जिसे उत्साहवर्धन की आवश्यकता है और जो अपने उध्दारकर्ता के और अधिक नजदीक आने कि रखती हो ,मदद करना चाहते है।

कापीराईट /1996ए2007
द्वारा एरिन थिले
कवर डिजाईन द्वारा डला थिले
संपादन द्वारा विवियन फांग
संपादक प्रमुख टोन्या कोरचेक
ISBN: 1.931800.15.4
ISBN: 13.रू 978.1.931800.15.0
लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस कंट्रोल नं. रू2007926628

प्रथम प्रकाशन 1996

द्वितीय प्रकाशन 1997 , पुनरीक्षित
तृतीय प्रकाशन 1999 , संपूर्ण पुनरीक्षित
चतुर्थ प्रकाशन 2003 , संपूर्ण पुंनरीक्षित
पंचम प्रकाशन 2004 , संपूर्ण पुंनरीक्षित
षष्ठम् प्रकाशन 2005 , संपूर्ण पुंनरीक्षित
सप्तम प्रकाशन 2006 , संपूर्ण पुंनरीक्षित
अष्ठम् प्रकाशन 2007 , संपूर्ण पुंनरीक्षित

विषय वस्तु

प्रथम अध्याय

मेरे प्रियतम

जिस परमेश्वर की सेवा मैं अपने बापदादों की रीति पर शुद्ध विवेक से करता हूँ । उसका धन्यवाद हो कि मैं अपनी प्रार्थनाओं में तुझे लगातार स्मरण करता हूँ । और तेरे ऑसूओ की सुधि कर करके रात दिन तुझ से भेंट करने की लालसा रखता हूँ कि आंनद से भर जाऊँ ।

2 तिमोथी 1:34

मसीह में अति प्रिय बहन ,

यह मात्र कोई संयोग नहीं है कि यह किताब आपके हाथों में है , परन्तु यह परमेश्वर का अनुग्रह है।

परमेश्वर ने आपकी पुकार को सुना है जैसे उसने मेरी पुकार को सुना था और वह आपको भी बचाने आ गया है। इस किताब के पन्ने आपका मार्गदर्शन करेगे ठीक वैसे जैसे परमेश्वर ने मेरा मार्गदर्शन किया था जबकि दूसरों ने मेरे वैवाहिक जीवन के लिये कहा था कि अब इसके बचने की कोई आशा नहीं है।

जो उसने मुझे करने को कहा था वह आसान नहीं था और न ही यह आपके लिये आसान होगा । परन्तु अगर आप आपके जीवन में कोई आश्चर्यकर्म देखना चाहती है तो यह हो सकता है । अगर आप परमेश्वर की विश्वसनीयता की गवाही औरों को देना चाहती है तो यह आश्चर्यकर्म आपके लिये होगा । अगर आप सचमुच परमेश्वर से चाहती है कि वह आपके आशाहीन वैवाहिक जीवन को पुनः सुधार दे तो इस पुस्तक को पढ़ियें ,परमेश्वर आपके वैवाहिक जीवन को ज्यों का त्यों कर देगा जैसा उसने मेरे साथ किया ।

बाईबल कहती है – देख , यहोवा की दृष्टि सारी पृथ्वी पर इसलिये फिरती रहती है कि जिनका मन उसकी ओर निष्कपट रहता है ,उनकी सहायता में वह सामर्थ दिखाऐं । (2 इतिहास 16:9)

वह आपकी सहायता करने के लिये राह देख रहा है, क्या आप तैयार है?

आपको आज्ञाकारिता में लौलीन रहने की आवश्यकता है,सँकरे मार्ग से प्रवेश करों, क्योकि चौड़ा है वह फाटक और सरल है वह मार्ग जो विनाश को पहुँचाता है ,और बहुत से है जो उस से प्रवेश करते है। क्योंकि सकेत है वह फाटक और कठिन है वह मार्ग जो जीवन को पहुँचाता है, और थोड़े उसे पाते है। मत्ती 7:13–4

यह आपको चयन करना होगा कि परमेश्वर के सकरे मार्ग को चुने अथवा वापस लौट जाए ।

यह चुनाव का समय है, मैं आज आकाश और पृथ्वी दोनों को तुम्हारे सामने इस बात की साक्षी बनाता हूँ कि मैं ने जीवन और मरण ,आशीष और शाप को तुम्हारे आगे रखा है, इसलिये तू जीवन को ही अपना ले कि तू और तेरा वंश दोनों जीवित रहें । इसलिए अपने परमेश्वर .यहोवा से प्रेम करों , और उसकी बात मानों और उससे लिपटों रहों, क्योकिं तेरा जीवन और दीर्घ जीवन यही है , और ऐसा करने से जिस देश को यहोवा ने अब्राहम ,इसहाक और याकूब ,तेरे पूर्वजों को देने की शपथ खाई थी उस देश में तू बसा रहेगा । व्यवस्थाविवरण 30:19–20

अगर आप यह पुस्तक अभी भी पढ रहे है और उसे फेंका नहीं है ,तब तो आपने आगे बढनें का फैसला कर लिया है।

मेरी ऑखों में आसूँ है और मैं सोच रहीं हूँ कि एक भव्य पुनरूस्थान आपके विवाह व परिवार की राह देख रहा है। मैं सभी बहनों पर आशीष के लिये प्रार्थना कर रहीं हूँ । मैं आनंदित हूँ कि किसी दिन हम या तो इस जगत में या स्वर्गीय स्थानों में मिलेंगे जहाँ कोई ऑसू नहीं होगें ।

मसीह यीशु में प्यारी बहन ,परमेश्वर आपके विवाह को पुनः सुधार सकता है और सुधारेगा । आपके विवाह पर परमेश्वर के वचन की आशीष है। यीशु ने उनको उत्तर दिया – ''मैं तुझसे सच कहता हूँ कि यदि तुम विश्वास रखो और संदेह न करों तो न केवल यह करोगे जो इस अंजीर के पेड़ से किया गया है, परन्तु यदि इस पहाड़ से भी कहोगे ,उखड़ जा ,और समुद्र में जा पड़, तो यह हो जाएगा ।'' मत्ती 21:21

चूँकि आप इस पुस्तक को पढ रहे है तो मैं मानती हूँ विवाह के कारण आप जीवन की संधर्षमय अवस्था में है। क्या आपके पति ने आपको छोड़ दिया है? क्या आपने अपने पति को छोड़ दिया है या जाने के लिये कह दिया है? शायद आपको यह किताब इस भयावह कदम उठाने से पहले ही मिल गई है । अगर आपने तलाक के कागज भी लगा दिये हो या तलाक पर कोर्ट में बहस भी चल चल रही हो या तलाक हो चुका हो तो भी आपको यह विश्वास करना चाहिये कि हम जानते हैं कि जो लोग **परमेश्वर** से प्रेम रखते है, ''उनके लिये सब बातें मिलकर भलाई ही को उत्पन्न करती है, अर्थात उन्हीं के लिये जो **उसकी इच्छा** के अनुसार बुलावा हुए है।'' (रोमियो 8:28)

जब आप अपने वैवाहिक जीवन में कई परेशानियों से गुजर रही हो और आप चाहती हो कि अब बातें मिलकर भलाई उत्पन्न करें तो पहले आपकों परमेश्वर से प्रेम रखना होगा और **उसका** उद्देश्य आपके जीवन कि लिये पहचानना होगा ।

इस समय उसका उद्देश्य आपके लिये है कि आप उसके और करीब आये और वह आपको अपने स्वरूप में परिवर्तित करेगा । अतः हिम्मत रखिये क्योकि परमेश्वर ने कहा है, '' मैं तुझे कभी न छोडूँगा , और न कभी तुझे त्यागूँगा ।'' इब्रानियों 13:5

परमेश्वर ने आपको छोड़ा नहीं है। '' चाहें मै घोर अंधकार से भरी हुई तराई में होकर चलूँ तौ भी हानि से नहीं डँरूगा क्योकि तू मेरे साथ रहता है। '' (भजन 23:4) ये घोर अंधकार से भरी हूई

तराई हमे हमारी दशा का भान करवाती है। पर परमेश्वर ने **हमारे भले** के लिये ये सब होने दिया है।

इसके बाद ही आप सोने जैसा चमकोगे । इस कारण तुम मगन होते हो, यद्यपि अवश्य है कि अभी कुछ दिन के लिये नाना प्रकार की परीक्षाओं के कारण दुःख में हो, और यह इसलिये है कि तुम्हारा परखा हुआ विश्वास , जो आग से ताए हुए नाशवान सोने से भी कहीं अधिक बहुमूल्य है यीशु मसीह के प्रकट होने पर प्रशंसा और महिमा और आदर का कारण ठहरे । (1 पतरस 1: 6–7)

सबसे महत्वपूर्ण बात जो आपको अभी करना है चुप हो जाओ और जान लो कि मैं ही परमेश्वर हूँ। (भजन सहिता 46:10) इसके बाद परमेश्वर के मार्ग का अनुसरण करो । यह निश्चय करों कि जो आप कहते हो या करते हो वह वचन से मेल खाना चाहिए और लगातार बाईबल के अनुसार चल रहा हो ।

परमेश्वर नहीं चाहता कि आपका वैवाहिक जीवन समाप्त हो । याद करें कि यीशु ने स्वयं कहा था इस कारण मनुष्य माता– पिता से अलग होकर अपनी पत्नी के साथ रहेगा ओर वे दोनों एक तन होंगे । अतः वे अब दो नहीं , परन्तु एक तन है। इसलिये जिसे परमेश्वर ने जोड़ा है उसे मनुष्य अलग न करे । (मत्ती 19:5–6)

इसके साथ मैं तलाक से घृणा करता हूँ इजरायल का परमेश्वर यह कहता है मैं स्त्री –त्याग से घृणा करता हूँ ,और उस से भी जो अपने वस्त्र को उपद्रव से ढॉपता है । (मलाकी 2:10)

शैतान आपके वैवाहिक जीवन को नष्ट करना चाहता है परन्तु परमेश्वर ऐसा नहीं चाहता । याद रखिये (यूहन्ना 10:10)ष्चोर (शैतान) किसी और काम के लिये नहीं परन्तु केवल चोरी करने और घात करने और नष्ट करने को आता है, मैं इसलिये आया कि वे (तुम) जीवन पाएँ ,और बहुतायत से पाएँ ।

शैतान के झूठ पर विश्वास मत कीजिये परन्तु **हर** एक भावना को कैद करके मसीह का आज्ञाकारी बना देते है। (2 कुरूँ 10:5)

शैतान को आपके पति को आपसे चुराने मत दीजिये । शैतान को आपका परिवार ,आपका जीवन , आपके बच्चे व आपका भविष्य नष्ट करने मत दीजिये ।

मेरा विश्वास कीजिये और उन पर भी भरोसा कीजिये जो आपको अपने अनुभव से बता सकते है कि तलाक आपके बच्चों , उनके भविष्य को नष्ट कर देगा ।

इसके बजाय परमेश्वर का रास्ता अपनाइये । चूँकि आप अपने वैवाहिक जीवन को फिर से सुधर जाने की राह देख रही है तेा परमेश्वर को अपने पति के रूप में समझिये । क्योंकि तेरा कर्ता तेरा

पति है, उसका नाम सेवाओं का यहोवा है और इजराएल का पवित्र तेरा छुड़ानेवाला है, वह सारी पृथ्वी का भी परमेश्वर कहलाएगा । (यशायाह 54:5)

चाहे पहाड़ हट जाएँ और पहाडियाँ टल जाएँ , तौभी मेरी करूणा तुझ पर से कभी न हटेगी , और मेरी शांतिदायक वाचा न टलेंगी , यहोवा , जो तुझ पर दया करता है उसका यही वचन है। यशायाह 54:10 तरस खाने वाला परमेश्वर आपसे कहता है ।
बाईबल में से उ़ड़ेलिये और होने दीजिये कि वह आपको वचन रूपी परमेश्वर के जल से धो दे (इफि. 5–26)

प्रार्थना कीजिए व विश्वास कीजिए कि धर्मशास्त्र क्या कहते है वह नहीं जो आप देखते हैष अब विश्वास आशा की हुई वस्तुओं का निश्चय और **अनदेखी** वस्तुओ का प्रमाण है । (इब्रानियो 11:1) और विश्वास बिना उसे प्रसन्न करना अनहोना है क्योंकि परमेश्वर के पास आनेवाले को विश्वास करना चाहिए कि वह है ,और अपने खोजनेवालों को प्रतिफल देता है (इब्रानियों 11:6)

कोई नहीं सिर्फ परमेश्वर जानता है कि आप किस तरह की दशा से गुजर रहे है और कुछ बातों का उत्तर भी आपको अभी चाहिये । यदि आप प्रार्थना करे (केवल परमेश्वर से बातचीत) करे और उसकी सुने (बाईबल से वचन पढ़े) **वह आपको विजय की ओर** ले जा सकता है जो वह देना चाहता है । बहुत अधिक सावधान रहने की जरूरत है कि दूसरे मित्र ,पास्टर्स या कोई कांउन्सलर्स वे ऐसी बातें बताइएगे जो उन्होनें वचन से **नहीं** पढी होगी और जो ईश्वर के वचन से मेल नहीं खाता है ।

अगर आप प्रार्थना कर रहे है इस विषय में वचन से पढ रहें है तो परमेश्वर आपके हृदय से बात करेगा और बाईबल पढ़ने के दौरान कोई आपको उस वचन पर **बातचीत** करेगा जो परमेश्वर आपको देना चाहता है। बहुत सारे लोग जो क्रिश्चियन है या नहीं भी है वे आपको ऐसी बाते बतायेगें जो इस शरीर के अनुसार अच्छी लगती है। पर यह वचन के अनुसार गलत है । उन बातों को अगर आप मानती है तो फिर आप फिसलने वाली रेत के ढेर पर बैठी है। क्या ही धन्य है वह पुरूष जो दुष्टों की युक्ति पर नहीं चलता और न पापियों के मार्ग में खड़ा होता, और न ठटठा करनेवालों की मंडली में बैठता है। **(भजनसंहिता 1:1)**

जब परमेश्वर की ओर से मार्गदर्शन होता है तब यह थोड़ा पागलपन जैसा लगता है , ऐसा जैसे कि दूसरे आप से निकल आने को कह रहे है और आप अपने वैवाहिक जीवन में विश्वास कर रहीं है। आगे बढ़ने के लिये हमें पवित्रात्मा की आवश्यकता है। जल्दबाजी में कोई कार्य न करे और न ही आगे बढने में अधिक तत्परता दिखाये ।

परमेश्वर अक्सर कहता है रूको ठहरों कई बार रूकने के दौरान परमेश्वर स्थितियाँ बदल देता है। परमेश्वर कहता है वह अदभुत और सामर्थी परामर्शदाता है। क्या आप उससे उत्तम परामर्श नहीं चाहती है ?

क्या आपको एक परामर्श दाता नहीं चाहिये जो कि सचमुच में आपके पति के हृदय को बदल कर रख दे । सिर्फ एक है जो आपको सही दिशा दिखा सकता है । उस पर भरोसा रखे केवल उसी पर । चर्च में इतने बिखरे बिखरे परिवार है कि चर्च के बाहर इतने परिवार नही मिलेंगे । इसलिये किसी मसीही के पीछे मत चलो । मसीही परामर्शदाता और पास्टर परमेश्वर की इच्छा का सम्मान करने के बजाय सांसारिक सलाह देते है।

दुख कि बात है कि मसीही विवाह– परामर्शदाता वैवाहिक जीवन को नष्ट कर देते है। वे आपको या आपके पति को अतीत की बाते कहने को कहते है। और ऐसी बाते कहेगे जो आपने कभी नहीं पढ़ी होगी । ऐसी कठोर बाते शैतान का कहा हुआ झूठ है, ये दैहिक भावनाये है । परामर्शदाता पहले आपसे सब उगलवाता है फिर वह आपको बतायेगा कि आपकी स्थितियॉ एकदम आशारहित है।

अगर किसी ने (आपके पति) ने भी आपको कहा हो कि परिस्थितियाँ बिल्कुल आशाहीन है तो प्रशंसा करना शुरू कर दो । आशाहीन परिस्थितियाँ वही है जहाँ परमेश्वर अपनी सामर्थ प्रगट करता है। यीशु ने उनकी और देखकर कहा , **मनुष्यों से तेा यह नहीं हो सकता परन्तु परमेश्चर से सब कुछ हो सकता है।** (मत्ती 19:26)

परमेश्वर के साथ कार्य करे

कभी भी ये विश्वास मत कीजिये कि बिना आपके पति कि मदद या सहयोग के आपका विवाह बचाया नही जा सकता । आप बिना अपने पति की मदद के भी अपने विवाह को बचा सकती है। हमारी सेवकाई की स्थापना सिर्फ एक अकेली महिला द्वारा की गई । ऐसी महिला जो अपने वैवाहिक जीवन को पुनः सुधारना चाहती थी । ऐसे जीवन को बचाना सिर्फ आपकी इच्छा शक्ति एवं परमेश्वर की सामर्थ द्वारा हीं संभव है।

देख, यहोवा की दृष्टि सारी पृथ्वी पर इसलिए फिरती रहती है कि जिनका मन उसकी और निष्कपट रहता है उनकी सहायता में वह अपना सामर्थ दिखाएँ । (2 इतिहास 16:9)

मुझे ये सौभाग्य मिला था कि मुझे सबसे उत्तम परामर्शदाता ने परामर्श दिया और जो उसने मुझे वचन के द्वारा बताया , मैं उसी में से कुछ आपके साथ बाँटती हूँ । कोई भी दो परिस्थितियाँ बिल्कुल एक जैसी नहीं होती फिर भी उसका वचन सभी पर लागू होता है। हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद हो , जो दया का पिता और सब प्रकार की शांति का परमेश्वर है। वह हमारे सब क्लेशो में शांति देता है ताकि हम उस शांति के कारण जो परमेश्वर हमें देता है , उन्हें भी शांति दे सकें जो किसी प्रकार के क्लेश में हो । '(2 कुरू 1:3–4)

उसके वचन से खोजे जब आप प्रार्थना कर चुकी हो तब मॉगो तो तुम्हें दिया जाएगा, ढूँढो तो तुम पाओगे ,खटखटाओ तो तुम्हारे लिये खोला जाएगा । (मत्ती 7:7 इश्रट) पर यदि तुम मे से

किसी को बुद्धि की घटी हो तो परमेश्वर से मांगे , जो बिना उलाहना दिए सब को उदारता से देता है ,और उसकों दी जाएगी । '' याकूब 1:5

अपने पास विश्वास होना चाहिये । और विश्वास आपको कहॉ से प्राप्त होगा ? परमेश्वर से । क्योकि हर एक अच्छा वरदान और हर एक उत्तम दान ऊपर ही से है। याकूब 1:17

परमेश्वर का वचन ,उसका सिद्धांत

प्रियतम अगर आप बाईबल बहुत अच्छी रीति से जानती हो या आपने बाईबल कभी पढी भी नहीं हो , लेकिन बाईबल ही आप के वैवाहिक जीवन को पुनः सुधारने के लिये मार्गदर्शन देती है। यह पुस्तक जो आप पढ रही है इसमें वे सभी पद है जिन्हें परमेश्वर ने मुझे मार्गदर्शन देने के लिये उपयोग किये थे जब मैं परीक्षाओं की आग में से होकर गुजर रही थी ।

परमेश्वर ने मुझे बताया कि मैंने वैवाहिक जीवन के कई सिद्धान्तों का उल्लंघन किया था । उसने मुझे मेरे कई पाप भी दिखाये जिनके बारे में मैंने कभी सोचा भी नहीं था । ये सारे सिद्धांतो को तोड़ना मेरे वैवाहिक जीवन कि बरबादी का कारण बना । ये उन सभी पर लागू होता है जिनका वैवाहिक जीवन खतरे में है या बिल्कुल ही खत्म हो गया है। इसमें आप भी हो सकती है या आपको अभी तक अपनी स्थिति का भान नहीं है । तो फिर अकेले आपके पति ही सिर्फ परमेश्वर के सिद्धांतो का उल्लंघन करने के लिये जिम्मेदार नहीं है। आपको भी पता चलेगा , जैसे मुझे मालूम हुआ कि आपने भी अपने विवाह को बरबाद करने में सहयोग किया है। यह समझिये की यही वह मोड़ होगा जब आप अपने पापों को स्वीकार कर रही हो या उनको देख रही है बजाय अपने पति के पापों को देखने के ।

ये बुद्धिमानों की सीख जो मैंने बाईबल की आयत को पढ़ने और बार–बार पढने से अर्जित की , उसने मुझे यह समझने में बहुत मदद की कि सचमुच मे बाईबल क्या है ? और मेरे जीवन में यह मार्गदर्शन के रूप में आवश्यक है। बाईबल सृष्टि के आत्मिक नियमों से भरी हुई है। जब परमेश्वर ने इस संसार को बनाया तो इसे केवल भौतिक सिद्धातों से , जैसे गुरूत्वाकर्षण का नियम इत्यादि से ही स्थापित नहीं किया परन्तु उसे आध्यात्मिक सिद्धांतो से भी रचा ।

जिस प्रकार गुरूत्वाकर्षण के सिद्धांत का उल्लंघन करने से एक वस्तु के गिरने का परिणाम सामने दिखाई पड़ता है ठीक उसी तरह ,धर्मशास्त्र के विवाह संबंधी सिद्धांतों के उल्लंघन से आपके विवाह का भी पतन होगा ।

दूसरी एक अद्भुत खोज है कि इस संसार के रास्ते व तौर तरीके परमेश्वर के वचन के बिल्कुल विपरीत होते है। आपके पति द्वारा आपको छोड़े जाने को ,उनके व्यभिचार को , शराब पीने व नशा करने को या फिर तलाक के कागजात देने को आप औरों के समान ही ले रही है। परन्तु आप यह पायेगी , जैसा मैंने पाया , कि यह सांसारिक तरीका ईश्वरीय तरीके के बिल्कुल विपरीत है ।

परमेश्वर ने इन परेशानियों को भी विजय दिलाने के लिए उपयोगी बनाया है । '' क्योकि जो कुछ परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है वह संसार पर विजय प्राप्त करता है। '' (1 यूहन्ना 5.4)

जब मैंने परमेश्वर के रास्ते पर चलना शुरू किया जो हर उस रास्ते से अलग था जो इस संसार में प्रवेश कर रहा था तो मैंने देखा कि मेरे विवाहित जीवन में परिर्वतन आना प्रारम्भ हो गया । इस संसार के रास्ते पर चलने का परिणाम हमेशा बर्बाद होना ही होता है। परन्तु परमेश्वर के रास्ते पर हमेशा चंगाई व सुधार ही होता है। '' क्योंकि जो अपने शरीर के लिए बोता है , वह शरीर के द्वारा विनाशी की कटनी काटेगा । ओर जो आत्मा के लिए बोता है वह आत्मा के द्वारा अन्नत जीवन की कटनी काटेगा । '' गलतियों 6:8

मैंने इस अध्याय में प्रत्येक जगह इस विवाहित जीवन की त्रासदी से बाहर निकलने के लिए वचन से उल्लेख किये हैं । इन सिद्धांतो को अगर सच्चे और नम्र ह्रदय से माना जाए तो इससे आपका विवाहित जीवन तुरन्त बदल जाएगा । या फिर भविष्य में सुधर जायेगा । यहा एक बाधा है मेरे द्वारा नहीं, परन्तु परमेश्वर के वचन द्वारा ।

जितना एक स्त्री इन सिद्धांतो पर चलती है उतना ही आज्ञाकारिता का प्रत्यक्ष परिणाम वह देखेंगी । लेकिन कुछ ऐसी भी स्त्रियां है जो संकट में जीती है यह कभी अपने विवाहित जीवन में सुधार नहीं देखती , वे ऐसी बहुत सी स्त्रियों के समान है जो परमेश्वर के आध्यात्मिक नियमों पर विश्वास नहीं करती है , उनसे इंकार करती है और गलती से इस विश्वास में जीने लगती है कि वे परमेश्वर के बनाए नियमों से भी ऊपर है। **" उत्साही बने रहे "** नामक विडियोज में पूर्ण रूप से ऐसी ही गलतियों की गवाहियाँ है, ऐसी गलतियों के किए जाने से वे हमेशा सुधार से दूर रही ।

अगर आप उन स्त्रियों में से एक है जो दृढ़ता से यह विश्वास करती है कि वे परमेश्वर के नियमों से परे है इसलिए वे इन नियमों को भंग करने के लिए भी स्वतंत्र है तो ऐसी स्त्रियों के विवाहित जीवन में कभी सुधार नहीं हो सकता है। तो क्या हुआ ? क्या हम इसलिए पाप करे कि हम व्यवस्था के अधीन नहीं वरन् अनुग्रह के अधीन है ?'' कदापि नहीं । (रोमियों 6:15)

इसके साथ ही '' तो क्या हम व्यवस्था को विश्वास के द्वारा व्यर्थ ठहराते है ? कदापि नहीं ! वरन् व्यवस्था को स्थिर करते है। '' (रोमियों 3:31)

एवं इसके साथ ही '' कदापि नहीं , हम जब पाप के लिए मर गए तो फिर आगे को उसमें क्यों कर जीवन बिताएँ । (रोमियों 6:2)

जो गुरूत्वाकर्षण का नियम समझते थे उन्होनें इस नियम का प्रयोग करते हुए उपर उठना सीखा और मनुष्य ने उड़ान भरना सीखा । मसीही लोग जो परमेश्वर के वचन का अध्ययन करतें है वे इस संसार के तौर तरीकों से ऊपर उठ जाते है। और अविश्वासी को भी चकित कर देते है जो बाद में परमेश्वर को ढूँढते है। जैसे एक व्यक्ति इस भ्रम में जिये कि वह गुरूत्वाकर्षण के नियम से ऊपर है तो वह इस नियम का उल्लंघन करते हुए बिना पैराशुट के हवाई जहाज से कूदता है और मर जाता है । यही बात आध्यात्मिक नियमों का उल्लघंन करने भी लागू होती है, क्योकि कितने ही मसीही इसी लिए बर्बादी का जीवन जी रहें है ।

विश्वास करें व आज्ञा माने

अगर आप उन कई स्त्रियों में से है जो अपने विवाह को पुनः स्थापित करना चाहती है तो आपको केवल परमेश्वर पर इस पुर्नःस्थापना के लिए विश्वास करना होगा । जब आप यह किताब पढ़ती है तो यह आपको याद दिलाने में सहायक होगी कि यह ऐसी व्यक्ति के द्वारा लिखी गई थी – जो निराश था

और निराश होकर भी परमेश्वर के वचन का पालन करने के लिए इच्छुक था चाहे उसे कोई भी कीमत क्यों ना चुकानी पड़ीं ? चाहे यह आज्ञा–पालन कितना ही दुःख क्यों ना देता हो ? बेहतर होगा अगर आप स्वयं को यह प्रश्न पूछे कि , " मेरे विवाहित जीवन को बचाना कितना जरूरी है ? " अगर आप लगन पूर्वक परमेश्वर की आज्ञाकारिता में नहीं चलती है तो आपको उससे कुछ भी सुधार करने की आशा नहीं करनी चाहिए । क्योंकि आपके दिमाग मे द्वंद है। क्येांकि वचन कहता है "ऐसा मनुष्य यह न समझे कि मुझे प्रभु से कुछ मिलेगाा , वह व्यक्ति दुचित्ता हैं। और अपनी सारी बातों में चंचल है ं। " (याकूब 1:7–8ं) और " मैं दुचित्तों से बैर रखता हूँ , परन्तु तेरी व्यवस्था से प्रीति रखता हूँ ।" (भजन सहिंता 119:113)

मेरे कार्यो द्वारा विश्वास दृढ़ होता है।

आप कहती है कि मेरे विवाह को परमेश्वर सुधारेगा तो इस पर विश्वास के साथ – साथ कार्य भी कीजिये ं। " हे मेरे भाईयो, यदि कोई कहे कि मुझे विश्वास है पर पह कर्म न करता हो , तो इससे क्या लाभ ? क्या ऐसा विश्वास कभी उसका उद्धार कर सकता है। " एवं साथ ही ऐसा भी हो कि वरन् कोई कह सकता है , "तुझे विश्वास है और मैं कर्म करता हूँ , " तू अपना विश्वास मुझे कर्म बिना तो दिखा , और मैं अपना विश्वास अपने कर्मो के द्वारा तुझे दिखाँऊगा । " (याकूब 2: 14 ,18) ऐसी कई गवाहियाँ है जिसमें स्त्रियों ने आज्ञा–पालन के बजाय विश्वास करने को चुना । ऐसी स्त्रियों अभी तक विश्वास ही रखे हुए है कि उनका विवाहित जीवन कभी सुधरेगा , पर किसी का भी जीवन नहीं सुधरा ।

कृपया स्वयं को जाँचे कि आपके भीतर यह इच्छा कितनी बलवती है कि आप अपने विवाह को बचाना चाहती है ? क्या बहुत हताश होकर भी आप अपने विवाह को बचाना चाहती हो ं? अगर आप यह विश्वास नहीं करती है कि परमेश्वर किस प्रकार कि आज्ञाकारिता आपसे चाहता है तो इसे पढ़िये जहाँ यीशु ने कहा " यदि तेरी दाहिनी ऑख तुझे ठोकर खिलाएँ तो उसे निकालकर फेंक दे , क्योंकि तेरे लिये यही भला है कि तेरे अंगो में से एक नष्ट हो जाए और तेरा सारा शरीर नरक मे न डाला जाए । यदि तेरा दाहिना हाथ तुझे ठोकर खिालाए तो उस को काटकर फेंक दे, क्योंकि तेरे लिए यही भला है तेरे अंगो में से एक नष्ट हो जाए और तेरा सारा शरीर नरक में न डाला जाए " । (मत्ती 5: 29–30) मत्ती के संपूर्ण पॉचवे अध्याय में परमेश्वर पुराने नियम में वर्णित आज्ञाकारिता सें भी ऊँची आज्ञाकारिता के लिये आपको बुलाता है। इसे पढ़ियें और स्वयं को जागरूक रखिए कि एक उन्मादी की तरह आप परमेश्वर की आज्ञाकारिता में चले ।

अगर दूसरों को आपके प्रयास ऊष्मा से भरे हुए प्रतीत नहीं होते तो आपके अपने विवाह बचाने की प्रतिबद्धता को और अधिक ऊष्मावान बनाना होगा क्योंकि ऊष्मा से भरे होने की नितांत आावश्यकता है।

हमें आज्ञाकारिता में पतरस के समान होना चाहिये ं उसने तत्परता दिखाते हुए प्रभु को अपने पैर भी धोने दिये , वह पानी पर भी तुरंत चल पड़ा । वह एक मात्र ऐसा चेला था जो लगन के साथ आज्ञा मानने में प्रतिबद्ध था । तथापि यीशु ने पतरस को उसके अल्प–विश्वास के लिए झिड़का भी था । " हे अल्प विश्वासी ,तू ने क्यों संदेह किया? " (मत्ती 14:31) क्या आप भी गुनगुने है? " इसलिये कि तू गुनगुना है , और न ठंडा है और न गर्म , मैं तुझे अपने मुॅह में से उगलने पर हूँ । " (प्रकाशितवाक्य 3:16)

भरोसा रखिये एवं विश्वास कीजिए कि परमेश्वर सामर्थवान है और आपको , आपके विवाह , आपके परिवार को पुनः बनाना चाहता है। परमेश्वर के पास आपके लिये दूसरा व्यक्ति नहीं है और न ही वह सोचते है कि आपने गलत व्यक्ति को चुना ं। " क्योंकि विवाहिता स्त्री व्यवस्था के अनुसार अपने पति के

जीते जी उस से बंधी है,परन्तु यदि पति मर जाए तो वह पति की व्यवस्था से टूट गई। इसलिये यदि पति के जीते जी वह किसी दूसरे पुरूष की हो जाए,तो व्यभिचारिणी कहलाएगी , परन्तु यदि पति मर जाए तेा वह उस व्यव्स्था से टूट गई , यहाँ तक कि यदि किसी दूसरे पुरूष की हेा जाए तो भी व्यभिचारिणी न ठहरेंगी। '' (रोमियों 7:2–3)

अगर आप पुनः विवाह के बारे में सोच रहे है तो आपको ये जान लेना चाहिये कि आपके द्वितीय विवाह में 20 ०/० अवसर है कि वह बचा रहेगा । और हो सकता है कि 10 में से 8 भाग यह पूंरी गुॅजाईश होगी कि आपको दूसरे दर्द भरे तलाक से गुजरना पड़े । ये क्रम तीसरे व चौथे नंबर पर भी हो सकता है। यही रूक जाइये किसी भी नंबर पर आप क्यों ना हो । आपके पास एक अच्छा रास्ता है। इसके बजाय '' यहोवा की बाट जोहता रह ! '' भजन संहिता 27:14 इसे भी पढ़े '' घबराने वालों से कहो, '' हियाव बाँधों , मत डरो ! (यशायाह 35: 4) (भजन संहिता 60:11 इसे भी पढ़े भजन संहिता 108:12 एवं कृपया 11 अध्याय भी पढ़े साथ ही '' मैं तलाक से घृणा करता हूँ '' अधिक जानकारी के लिये इसे भी पढ़े ।

दूसरें के पास न दौड़े

अपनी स्थिति के लिये दूसरो के पास न जाये । पहले परमेश्वर से बात करे । उसके वचन से अपना उत्तर ढूँढियें । '' मॉगो तो तूम्हें दिया जाएगा , ढूॅढो तो तुम पाओगें , खटखटाओं तो तुम्हारे लिये खोला जाएगा ।(लूका 7:7 ,लूका 11:9)

'' उसका नाम अद्भुत युक्ति करने वाला पराक्रमी परमेश्वर ,अनंतकाल का पिता और शांति का राजकुमार रखा जाएग । '' (यशायाह 9:6) '' क्या ही धन्य है वह पुरूष जेा दुष्टों की युक्ति पर नहीं चलता। '' (भजन 1:1) दूसरों केा अपनी स्थिति के बारे में न बतायें । क्योकि '' बकवादी पृथ्वी पर स्थिर नहीं होने का '' (भजन 140:11) इसे भी पढ़े '' उसके पति के मन में उसके प्रति विश्वास है'' (नीति वचन 31:10) मनुष्य '' अपनी बातों के कारण निर्दोष और अपनी बातों ही के कारण दोषी ठहराया जाएगा । '' (मत्ती 12:37) '' टेंढा मनुष्य बहुत झगड़े को उठाता है '' (नीति 16: 28 व नीति 17: 9 भी पढ़े) (कृपया अधिक जानकारी के लिये 7 वॉ अध्याय '' जीभ पर दया '' भी पढ़े । ऐसा ज्ञान अर्जित करना ऐच्छिक नहीं वरन् जरूरी है। '' मेरे ज्ञान के न होने से मेरी प्रजा नष्ट हो गई '' (होशे 4:6) परमेश्वर से एक महिला प्रेयर –पार्टनर मॉगिये जो परमेश्वर पर और आपके विवाह के बचे रहने में विश्वास करती हो । अगर आप आपने विवाह को बचाना चाहती है तो एकल ग्रुप से बचिये । आपकी जगह उनके बीच में नहीं है सपोर्ट ग्रुप से भी दूर रहिये । क्योंकि वे दया दिखानें में विश्वास रखतें है।

अगर आप अपने विवाहित जीवन को पुनः स्थापित करना चाहती है तो तलक से चंगाई देने वाले झुंड से भी अलग रहें क्योकि वे तो आपको आगे बढ़ने के लिये ही प्रेरित करेंगे । चुनाव आपको करना है कि आप आशा चाहते है या वैवाहिक जीवन का अंत ।

किसी भी ग्रुप में जाने से पहले हम दृढ़ता से आपको सहारा देगीं कि आप प्रार्थना करे और प्रभु से सिर्फ एक महिला मॉगे जो प्रार्थना में आपको सहयोग करें। मुझे सिर्फ महिला और प्रभु की आवश्यकता थी । आप एक उत्साही पार्टनर जो आपको समझता हो उसे हमारी वेबसाईट पर ढूँढ सकती है।

पति पर आरोप लगाना बंद कर दीजिये

अपने पति से सब प्रकार की बहस बंद कर दीजिये । यह सिंद्धात निश्चित करेगा कि आपका वैवाहिक जीवन सुधर सकता है। इस विषय पर कई अध्याय मैं आपके लिये लिख सकती हूँ ।

इसमें से कुछ है '' आपसे सहमत हूॅ '' जब तक तू अपने मुद्दई के साथ मार्ग हो में है, उस से झटपट मेल मिलाप कर ले कही ऐसा न हो कि मुद्दई तुझे हाकिम को सौप दे, और तू बन्दीगृह में डाल दिया जाए । (मत्ती 5:25) ''कोमल उत्तर सुनने से गुस्सा ठंडा हो जाता है, परन्तु कटुवचन से क्रोध भड़क

उठता है । (नीति 15:1) ''झगड़े का आरंभ बांध में छेद के समान है, झगड़ा बढ़ने से पहले उसको छोड़ देना उचित है। '' (नीति. 17:14)
''मूढ़ भी जब चुप रहता है? तब बुध्दिमान गिना जाता है'' (नीति 17:28)
''वह बुध्दि की बात बोलती है, और उसके वचन कृपा की शिक्षा की अनुसार होते है । (नीति 31:25)
''मुकद्में से हाथ उठाना , पुरूष की महिमा ठहरती है, परन्तु सब मूढ़ झगड़ने को तैयार होते है ।'' (नीति 30:3)
''जो दूसरों से अलग हो जाता है , वह अपनी ही इच्छा पूरी करने के लिये ऐसा करता है, और सब प्रकार की खरी बुध्दि से बैर करता है । '' (नीति 18:1)
क्या आप एक झगड़ालू महिला है । (अधिक जानकारी के लिये पढ़े अध्याय 6
'' एक झगडालू महिला '' व अध्याय 8 ''बिना बोले जीते '' ।
घृणा और दर्द को अपने से दूर कर दीजिये ।
घृणा व दर्द को अपने से दूर कर दीजिये फिर अपने पति की आँखों में प्रेम से झाँके । ''जिन्होने उसकी ओर दृष्टि की उन्होने ज्योति पाई , और उनका मुँह कभी काला न होने पाया ।'' (भजन 34:5) ''जो कोई अपने आपको बड़ा बनाएगा, वह छोटा किया जाएगा ।'' (मत्ती 23:12) (लूका 14:11,लूका 18:14) पतरस ने पूछा कि कितनी बार उसे उसके भाई को पाप करने के कारण माफ करना चाहिये, क्या सात बार ? उसने सलाह दी । परन्तु यीशु ने उत्तर दिया,''मै तुझ से यह नही कहता कि सात बार तक वरन् सात बार के सत्तर गुने तक ।'' (मत्ती 18:22) अर्थात 490 बार । क्या आपने अपने पति को आपके साथ व बच्चों के साथ किये गये दुर्व्यवहार के लिये माफ नही करने का निर्णय लिया है ? क्षमा करने की कमी का होना आपके व आपके विवाह के लिये बहुत **घातक** है।
(और अधिक जानने के लिये नौंवा अध्याय में शीर्षक ''क्षमा'' एवं ''एक सभ्य व शांत आत्मा'' अवश्य पढे ं।
आप अपने पति को इस नजरिये से देंखे जैसा परमेश्वर उनको देखता है। अपने पति के लिये प्रार्थना करे । सबसे प्रथम आपकी आवश्यकता है कि उन्हें व उनके साथ रह रहे लोगों को जैसे – मित्र , परिवार , सहकर्मी और यहाँ तक कि दुसरी स्त्री भी , इन्हें माफ करें । (अध्याय 9 में ''क्षमा ' व आठवा अध्याय पढ़े) ताकि माफ नहीं करने के खतरों के बारे में जाने । तब आप प्रार्थना करने के लिये तैयार हो सकगी कि परमेश्वर आपके पति को कैसा आदमी बनाना चाहता है। जो बुरी बाते वह कर रहा है उन्हें देखना बंद कर दे ं। इसके स्थान पर प्रार्थना करें कि परमेश्वर आपको उसके द्वारा की गई अच्छाई और विशेषकर अतीत में की गई भलाई को आपको दिखाये ं। (अध्याय 7 का भाग ''आदरणीय '' शीर्षक से पढ़े व अधिक जानकारी के लिये पढे. '' उसकी जीभ पर दया '')

परमेश्वर को इन चीजों के लिये धन्यवाद दे और अपने पति को भी धन्यवाद दे जब – जब वह आपको बुलाता है या आता है। अगर आपके पति ने आपको छोड़ दिया है तो उसे मत बुलाइये । परन्तु अगर अपने अपने पति को छोड़ा है या घर से बाहर निकल जाने का आदेश दिया है तो आपको उसे बुलाना चाहिये एवं माफी मॉगना चाहिये ं। यह मुद्दा बड़ा नाजुक है। जितना ज्यादा इंतजार करेगी उतनी ही अधिक व्यभिचार की संभावना बढ़ती जायेगी । (कृपया हमारी वेबसईट्स पर गवाहियॉ पढ़िये जो सिद्ध करती है कि इन सिद्धांतो को मानने वाली स्त्रियों के जीवन में कैसे **अद्भुत** कार्य हुए ।
एक बार आपने पश्चाताप कर लिया है तो उसे बार– बार दोहराइये नही । ये प्रतिकूल हो सकता हैं । और चाहे आपके पति ने आपकी क्षमायाचना स्वीकार की या नहीं की, यह मुद्दा नहीं है। आप इसे नम्रतावश व आज्ञाकारिता में कर रहीं है। इससे ज्यादा और कुछ नहीं । जब पति से बात करने का अवसर हो तो उनसे नम्रतावश व प्रेम से बोले । '' मनभावने वचन मधु भरे छत्तें के समान प्राणों को मीठे

लगते , और हडिडयों को हरी– भरी करते है। '' (नीति 16:24) ''मन का आनंद अच्छी औषधि है, परन्तु मन के टूटने से हडिडयाँ सूख जाती है। '' (नीति . 17: 22) (नीति 18:14) अपनी वैवाहिक समस्याओं के लिए आपको चिंतित नहीं होना पड़ेगा अपितु खुशी होगी कि ये समस्याएँ परमेश्वर के **नियंत्रण** है। '' वर्तमान में हर प्रकार की ताड़ना आनंद की नहीं , पर शोक ही की बात दिखाई पड़ती है । तो भी जो उसको सहते सहते पक्के हो गए है, बाद में उन्हें चैन के साथ धैर्य का **प्रतिफल** मिलता है । (इब्रानियों 12:11)

अफवाहों को मत सुनिये कोई भी अगर आपके पति के लिये खराब सूचनाएँ देता है तो उसकी मत सुनिये । क्योंकि प्रेम '' सब बाते सह लेता है , सब बातों को प्रतीति करता है, सब बातों की आशा रखता है , सब बातों में धीरज करता है ''। (1 कुरूथियों 13:7) हो सकता है आपका पति कहता हो कि वह किसी के साथ जुड़ा नहीं है और आप जानती है कि वह है। फिर भी , आपको उस पर विश्वास करना है। आप मूर्ख नहीं है और न ही नौसिखया । आप तो परमेश्वर का **बिना शर्तों** वाला प्रेम प्रगट कर रही है ।
कभी – कभी आपका परिवार व निकट मित्र आपको तलाक लेने के लिये समझते हो या फिर कहते हो कि पति उन चीजों को खत्म कर दें जो उन्होंने पहले कि थी या कर रहे है। वे आपकी भावनाओं को उत्तेजित करके आपको परमेश्वर से भटका रहे है । '' मूर्ख से अलग हो जा क्योंकि तू उससे ज्ञान की बात ना पाएगा ।'' (नीति 14:7)
'' जो लुतराई करता फिरता है वह भेद प्रगट करता है। '' (नीति 20'19)
'' जो छिपकर अपने पड़ोसी की चुगली खाए, उसका मैं सत्यानाश करूगा । '' (भजन 101:5)

अपनी स्थिति को किसी से न बॉटे क्योंकि आपको ऐसी सलाह बहुत मिलेगी जो परमेश्वर की इच्छा व वचन के विपरीत है। यह आपके अंदर सिर्फ बेचारगी व गुस्सा ही पैदा करेगा ये भावनायें देह से उपजती है और आपकी आत्मा के विरोध में उठेगी । '' क्योंकि शरीर आत्मा के विरोध में और आत्मा शरीर के विरोध में लालसा करता है , और ये एक दूसरे के विरोधी है इसलिये कि जो तुम करना चाहते हो वह न करने पाओ । ''
आपकी स्थिति के लिये सुनना , बहस करना और परामर्श ढुँढना एक प्रकार से भ्रम ही पैदा करेगा क्योकि सलाह देने वाले बहुत से मसीही भाई – बहिन परमेश्वर का वचन नहीं जानते । और यहाँ तक कि पास्टर्स भी वचन के विरूद्ध सलाह दे बैठते है। जब तक कि स्वयं उन्हें पानी पर चलने का अनुभव न हो, वैसा विश्वास न हो , वे परमेश्वर के नियमों को कम करके ही आँकेगे । आपको तो परमेश्वर के सिद्धांतो पर चलने वाले लोग चाहिये । परमेश्वर का वचन चाहियें आपके विवाहित जीवन को बचाने कि लिये ।

यह जानने की कोशिश मत किजिये कि

आपके पति क्या कर रहे है अर्थात उनका पीछा करना, या जासूसी करना । अगर आपको शक है कि कोई ओर है या वह किसी ओर के साथ है तो जो परमेश्वर कहता है वह करे '' तेरी आँखे सामने ही की ओर लगी रहें और तेरी पलकें आगे की ओर खुली रहें । '' (नीति 4:25)
'' अचानक आने वाले भय से न डरना और जब दुष्टों पर विपत्ति आ पड़े , तब न धबराना , क्योकिं यहोवा तुझे सहारा दिया करेगा , और तेरे पॉव को फन्दे में फॅसने न देगा । '' (नीति .3:25–25) फिर से याद रखे कि प्रेम '' हर बात की प्रतीति करता है। '' (1 कुरूं 13:7)

अपने पति व जो दूसरे शामिल है उनका आमना – सामना मत करवाइये ं। ये शैतान का जाल है। मेरी तरह दूसरी कई स्त्रियाँ इस जाल में फॅस गई । ध्यान रखें। आप स्वयं को तो संतुष्ट कर लेंगी । लेकिन परिणाम आपको नष्ट कर देंगे । और पति की भावनायें भी आपके प्रति नष्ट हो जायेगी । दूसरी महिला से फोन पर बात मत कीजिये , न व्यक्तिगत रूप से मिलें और न ही, उसे कोई पत्र भेजे कि आपनें उसे माफ कर दिया है। ऐसे कोई भी कदम परमेश्वर की ओर से संचालित नहीं है। आपके दंभ की आड़ में शैतान खेल खेल रहा हैं ं।

अक्सर स्त्रियाँ सोचती है उनके पति का आमना – सामना करवाना चाहिये क्योंकि इस तरह वे बच नहीं सकते । मुझे कई स्त्रियों ने अज्ञानतावश, या इस किताब की बात न मानते हुए , एवं मेरी चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए अपने पति का आमना – सामना करवाने की बात बताई ं। अब वे स्त्रियॅा मुझे बताती है वे कितना पछता रही है । उन सभी ने बॉटा कि इसके बहुत ही भयानक परिणाम हुए । कृपया ईव के समान मत बनियें जो आगे बढ़ गई और वह किया जो वह जानती थी कि उसे नहीं करना चाहिये था ।

एक बार पाप सामने आ जाता है तो वह इतरा कर चलता है और **आप यह लाभ खो देगी** जो आपको दिया गया है '' जवानी की पत्नी के रूप में '' (नीति 5:18) याद रखिये प्रेम '' सब बातों की **प्रतीति** करता है '' (1 कुरूं 13:7)

आपको हर समय यह याद रखना चाहिये कि यह एक **आत्मिक युद्ध** है ं। जैसे सब युद्धों में होता है कि अपने शत्रु को अपनी सब बातें जानने देना मूर्खता है। और ये खतरे व मूर्खता से भरा होगा कि उन्हें यह जानने देना कि आप क्या जानते है ? बाईबल में कोई लड़ाई ऐसी नहीं लड़ी गई जिसमें प्रभु ने अंदर की जानकारी बाहर होने दी हो । न ही वह हमको सिखाते है कि हम अपनी गतिविधियों को शत्रु पर प्रगट होने दें ं। इसके बजाय, बाईबल हमें चेतावनी देती है कि हम इसे एक आध्यात्मिक युद्ध की तरह लड़े ं। तिमोथी 1:18 में लिखा है , '' अच्छी लड़ाई लड़'' । '' क्योकि यद्यपि हम शरीर में चलते फिरते है , तौभी शरीर के अनुसार नहीं लड़ते । '' (2 कुरूं 10:3) इसके बजाय हमें कहा गया है कि '' आत्मा में शांत बने रहे । '' जिसका अक्षरश : अर्थ है , जागना, जागरूक रहना । आपका शत्रु , शैतान , आपका पति (और दूसरे) शैतान के साथ मिलकर कार्य कर रहे है , उसके दास बनकर ताकि आपके विवाह , भविष्य और बच्चों को नष्ट कर सकें । '' क्या तुम नहीं जानते कि जिसकी आज्ञा मानने कि लिए तुम अपने आप को दासों के समान सौंप देते हो उसी के दास हो : चाहे पाप के , जिसका अंत मृत्यु है । चाहे आज्ञाकारिता के , जिसका अंत धार्मिकता है। '' (रोमियों 6: 16) इस युद्ध को जीतने के लिये आपको धार्मिकता का गुलाम बनना पड़ेगा – पति के पाप से उसका सामना मत करवाइये या आप जो भी जानते हो उससे उसका सामना मत करवाइये ।

ये पता करने की कोशिश मत कीजिये कि आपका पति कहॉ है? अगर उसने आपको अपने बारे में नही बताया है तो यह आपके लिये परमेश्वर द्वारा किया हुआ बचाव है। शांत रहिये स्थिर रहिये। अपने प्रार्थना के कमरे में जाइये और घुटनो पर प्रार्थना के द्वारा इस लड़ाई को लड़िये । परमेश्वर आपके पति के हृदय को बदल देगा परन्तु आप उसे कठोर कर देगी अगर आप खुलकर अपना शक, संदेह व ईर्ष्या को प्रकट करती है। ''राजा का मन नालियों के जल के समान यहोवा के हाथ मे रहता है। जिधर वह चाहता उधर उनको मोड़ देता है।'' (नीति. 21:1)

ऐसे मे दूसरी महिला गलत साबित होगी, आप नही। हर आदमी व्यभिचारिणी को बचाता है। जब उसकी पत्नी मौखिक रूप से या शारीरिक रूप से दूसरी स्त्री पर वार करती है। शांत रहिये। ''प्रोत्साहित रहिये'' विडियोज को सुनिये इन घातक गलतियों को नजर अंदाज करने के लिये।

किसी भी निर्णय के लिये उतावली मत कीजिये। इस समय आप ठीक ढंग से सोच नही पा रही है। और बुद्धि के बजाय भावनाओं से काम कर रही हे ''और जो उतावली से दौड़ता है वह चूक जाता है।'' (नीति 19:2)
''परन्तु चतुर मनुष्य समझ बूझकर चलता है'' (नीति 14:15)

''ऐसा भी मार्ग है जो मनुष्य को सीधा जान पड़ता है। परन्तु उसके अंत मे मृत्यु ही मिलती है'' (नीति 16:25) (नीति 14:12) '' क्या तू बाते करने मे उतावली करने वाली मनुष्य को देखता है ? उससे अधिक तो मूर्ख ही से आशा है।'' (नीति 29:20) ''चिट्टी डाली तो जाती है, परन्तु उसका निकलना परमेश्वर की ओर से होता है । (नीति 16:33) ''बुद्धिमान डरकर बुराई से हटता है परन्तु मूर्ख ठीठ होकर निडर रहता है।'' (नीति 14:16)
जल्दबाजी न करे । तलाक लेने के लिये तत्परता न दिखाये। परमेश्वर कहता है मैं तलाक से घृणा करता हूँ। क्योंकि इजरालल का परमेश्वर यहोवा यह कहता है,

''मैं स्त्री–त्याग से घृणा करता हू'' (मलाकी 2:16)

अपने घर से बाहर न जाये और नही घर छोडे ''वह शांतिरहित और चंचल थी, ओर अपने घर में न ठहरती थी'' (नीति 7:11)

क्या आप अपनी आवश्यकताओ या अपने भय को लेकर पति के पास गई है कि वह आपको नीचा दिखाये या अस्वीकार करें।
इन पदों को याद कीजिये ''मेरा परमेश्वर भी अपने उस धन के अनुसार जो महिमा सहित मसीह यीशु मे है, तुम्हारी हर एक घटी को पूरी करेगा। (फिलिपियों 4:19)

''जब किसी का चालचलन यहोवा को भावता है, तब वह उसके शत्रुओ का भी उस से मेल कराता है'' (नीति 16:7) '' वह बल और प्रताप का पहिरावा पहने रहती है, और आनेवाले काल पर हंसती है।'' (नीति 31:25) वकालत करने के बजाय अपने पति को धन्यवाद दीजिये, उनकी प्रशंसा कीजिये कि बीते समय मे उन्होने आपकी देखभाल की। यह परमेश्वर का तरीका है, इसे संतोष कहते है।

समस्या का एक हिस्सा घर के बाहर आपका जीविका कमाना भी रहा है। चूँकि परमेश्वर ने हमे सब बातो के लिये धीरज रखने को कहॉ है परन्तु हम आगे बढ़ जाते है। और ऐसा वातावरण तैयार करने लगते है कि जिससे नौकरी पर जाने की आवश्यकता महसूस हो। अब आपका घर खाली है। आप बाहर काम पर होती है। बच्चे डे–केयर सेंटर पर है ओर पति के पास अब स्वयं का घर उपलब्ध है। शैतान एक चोर है। जल्द ही आप वह घर खो देगी। जिसके लिये आपने इतनी मेहनत की । परमेश्वर को अपना घर, अपना परिवार और आपका विवाहित जीवन बचाने

दीजिये। (अधिक जानने के लिये बुद्धिमान स्त्री के भाग ''सबका सेवक'' व ''उसकी गृहस्थी के तरीके'' पढ़िये।

कभी भी पति की मदद व सहयोग अपनी तकलीफो के लिये न ले – इससे अच्छा कोई रास्ता नही कि घर की परेशानियों के बारे मे बोलने के बजाय आप उन्हे उनसे दूर रखे। आपसे दूर जाने की वजह इन परेशानियों से बचना भी था।

वह कभी भी ऐसे घर मे नही आयेगा जहॉ अव्यवस्था है या आपने कोई उपाय किया हुआ है। एक पुरूष जो आपको छोड़ता है और दूसरी स्त्री के साथ जुड़ता है वह खुशी पाने पर अपना ध्यान केंद्रित करता है।

यदि आप परमेश्वर के पति प्रेमपूर्ण संबंध रखेगी एवं जब भी परेशानी आती है या आयेगी तब आपका पति घर दौड़ा चला आयेगा।

क्या आपने अपने पति को आपको छोड़ने के लिये प्रोत्साहित किया है। हमने रिस्टोर मिनिस्ट्रीज मे कई स्त्रियों को देखा है जिन्होने अपने पति को उन्हे छोड़ देने के लिये कहा है या गुस्से मे तलाक शब्द का प्रयोग करने में आगे रही है। जब आप खराब बीज बोयेगी तो इसमें कोई आश्चर्य नही कि व्यभिचार करने में ही उनका अंत होगा। आप नही जानती शब्दों मे बहुत ताकत होती है ''और मै तुम से कहता हूॅ कि जो जो निकम्मी बाते मनुष्य कहेंगे, न्याय के दिन वे हर एक उस बात का लेखा देगे।'' (मत्ती 12:36)

यदि उन्हे कुछ दूसरे व्यसन है जैसे शराब पीना , नशा करना, गालियॉ बकना इत्यादि तो उसमें व्यभिचार को मत जोड़िये। हो सकता है आप उन्हे शराब नशीली दवायें व दुर्व्यवहार करने के कारण छोड़ना चाहती है । हो सकता है आपमे से कोई महसूस करता हो कि आप दोनो अब एक दूसरे को प्रेम नही करते हो।

(कृपया आठवे अध्याय ''बिना बोले जीते'' को पढ़े ''उन्हें सांत्वना दीजिये'' वाला भाग पढ़े)

जो पुरूष घर से बाहर होते है वे एकल माने जाते है भले ही वे विवाहित हो। अलग होना तलाक की तरफ पहला कदम है। और तलाक जीवन को बदलने वाली बड़ी गलती है''।

कई बूढ़ी महिलाये जो अलगाव से होने वाली बरबादी से अनजान है, जवान महिलाओ को सलाह देतीहै कि पति को छोउ़ दे या उन्हें घर न आने दे। बूढ़ी स्त्रियों को जैसा तीतुस 2 मे बताया गया है भली बाते सिखानी चाहिये व जवान स्त्रियों को प्रोत्साहित करना चाहिये कि वे अपने पतियों से प्रेम रखे, बच्चो से प्रेम रखे, अपने पतियों से मिलकर रहे ताकि परमेश्वर के वचन का अपमान न हो।

1 कुरं 7:5 मे पति व पत्नी को आपसी बातचीत से अलग होना बताया गया है और वह भी उपवास व प्रार्थना के उद्देश्य से। यह 1 कुरूं 7:13 मे पक्का होता है जहॉ लिखा है'' जिस स्त्री का पति विश्वास न रखता हो और उसके साथ रहने से प्रसन्न हो, वह पति को न छोड़े।'' अलग होना या तलाक देने का निर्णय करने से आपने न केवल अपने जीवन को बरबाद करना चुना है परन्तु अपने पति के जीवन, बच्चों का जीवन व भविष्य सबको बरबाद करने का रास्ता चुन लिया है। भविष्य मे होने वाले पोता–पोती , आपके माता–पिता ओर आपके मित्र आपके इस स्वार्थो , अज्ञानपूर्ण और मूर्ख निर्णय के विनाशकारी परिणाम महसूस करेंगे।

पति को छोड़ने की सलाह देने से आपने तलाक की तरफ पहला कदम ले लिया है। क्या ये समय नही है। कि आप सही निर्णय ले इसके पहिले की स्थितियॉ आगे बढ़ जाये? इस संसार और शैतान ने आपको दृढ़ विश्वासी बना दिया है। कि अलगाव या तलाक से स्थितियॉ और अच्छी हो जायेगी परन्तु यह एक झूठ है। अगर ये सच होता तो दस मे से आठ लोग द्वितीय विवाह या होने वाले विवाह मे तलाक नही लेते। फिर से एक बार बाईबल ये स्पष्ट कहती है, ''जिस स्त्री का पति विश्वास न रखता हो, ओर उसके साथ रहने से प्रसन्न हो, वह पति को न छोड़े। ''(1कुरूं 7:13)

हमने ऐसी मिनिस्ट्रीज के बारे मे सुना है जो प्रोत्साहित करती है कि छोड़कर जाने वाले पति को निरंतर फोन काल्स, कार्डस, लेटर्स ओर विवाह को बचाये संबंधी वाक्य लिखे।

यह बाईबल के अनुसार नही है ऐसा करने के द्वारा कईयों को जीवन भर के लिये छोड देने वाला बना दिया है। बाईबल कहती है '' परन्तु जो पुरूष विश्वास रखता यदि वह अलग हो तो अलग होने दो, ऐसी दशा मे कोई भाई बहिन बंधन में नही। ''(1 कुरू 7:15) अगर आप जाने नही देगी तो वैमनस्य बढ़ता जायेगा।''क्या ही धन्य है वह पुरूष जो दुष्टों की युक्ति पर नही चलता।''भजन1:1

आपको अपने पति को यह पता होने दीजिये कि वह जाने के लिये स्वतंत्र है। (1 कुरू 7:15) ऐसा करना आपके पति को इधर–उधर दौड़ने , तलाक लेने के लिये आगे बढ़ने से और दूसरा विवाह करने से रोकेंगे।

आप ऐसा सोचती होगीं कि मैं तो पहले से ही तलाकशुदा हूॅ। पर अभी भी देर नही हुई है। अगर तलाक हो भी गया हो। कई अपने पूर्व जीवन साथी से तलाक होने के बाद भी विवाह कर होते है। ''बुराई से न हारो परन्तु भलाई से बुराई को जीत लो'' (रोमियो 12:21) परमेश्वर ने होशे नबी को उसकी पत्नी गोमेद से पुनः विवाह करने को कहा'' क्योंकि वह मेरी स्त्री नही और न मैं उसका पति हूॅ। (होशे 2:2) तब वह कहेगी ''मैं अपने पहिले पति के पास फिर जाउंगी क्योंकि मेरी पहली दशा इस समय की दशा से अच्छी थी। (होशे 2:7) तब परमेश्वर ने मुझसे कहा ''अब जाकर एक ऐसी स्त्री से प्रीति कर जो व्यभिचारिणी होने पर भी अपने मित्र की प्यारी हो। '' (होशे 3:1)

परमेश्वर ने होशे व गोमेद की कहानी को परमेश्वर की अपनी दुल्हन के प्रति प्रतिबद्धता बताने के लिये उपयोग किया।

पति के प्रति आपका गुस्सा या दर्द बच्चों के सामने प्रगट न होने दे। कुछ भी कीजिये ताकि बच्चों को इन सब से बचा कर रखिये। उनके साथ विवाह की परेशानियॉ बॉटने से उनके मन मे आपके या उनके पिता के प्रति बुरी भावनाये पैदा होगी।

(कृपया ''प्रोत्साहित रहिये'' को सुने यह जानने के लिये कि बाईवल के आधार पर इसे कैसे कर सकते है।पति पर दोष मत लगाईये। ''हर बुद्धिमान स्त्री अपने घर को बनाती है पर मूढ़ स्त्री उसको अपने ही हाथों से ढा देती है। '' (नीति 14:1) ''राजा का मन नालियों के जल की नाई यहोवा के हाथ मे रहता है, जिधर वह चाहता उधर उसको फेर देता है।'' (नीति 21:1) सावधान रहिये। आप अपने बच्चों के हृदय को किस प्रकार जोड़ती है। ''और वह माता–पिता के मन को उनके पुत्रों की ओर और पुत्रों के मन को उनके माता–पिता की ओर फेरेगा'' (मलाकी 4:6) ''बूढ़ों की शोभा उनके नाती पोते है, और बाल बच्चो की शोभा उनके माता पिता है। ''(नीति 17:6)

परमेश्वर ने ये परेशानियॉ आपके जीवन मे आपके बच्चो के जीवन मे एक समय के लिये डाली है ताकि वह आपको और नजदीक खींच सके। उसका कार्य आपने जीवन मे पूरा कर सके और तब आप सब बातों को उसकी महिमा के लिये इस्तेमाल कर सके। जब आपके पति दोष लगाने के लिये आपके आसपास न हो तब आप परमेश्वर की ओर देख सकती हो। वह आपको और अधिक अपने रूप मे बदलेगा। ''जिन्होने उसकी ओर दृष्टि की उन्होने ज्योति पाई। '' (भजन 34:5)

बच्चो को अपने पिता के बारे मे बुरा मत बोलने दीजिये। आपको उनसे पिता के लिये सम्मान मांगना चाहिये चाहे वे बच्चे 5 वर्ष, 15 वर्ष या 25 वर्ष के क्यो न हो ? अपने माता–पिता का आदर करो (निर्गमन 20:12, व्यवस्था विवरण 5:16, मरकुस 7:10) फिर याद रखे'' वह माता पिता के मन को उसके पुत्रो की ओर और मेरे पुत्रों के मन को उनके माता–पिता की ओर करेगा'' (मलाकी 4:6) यदि आपने उनके पिता के बारे मे बुरा बोला है तो क्षमा मांगिये। '' जो अपने अपराध छिपा रखता है, उसका कार्य सफल नही होता , परन्तु जो उनको मान लेता है और छोड़ भी देता है, उस पर दया की जावेगी।'' (नीति 28:13) अब उन्हे बच्चों और आपकी निगाहो मे बनाना शुरू कीजिये। (अध्याय 7'' उसकी जीभ पर दया'' व भाग ''आदरणीय'' को पढ़िये)

याद रखे अगर आप आपके पति का सम्मान नही करती है। तो आपको बच्चों से पिता का सम्मान करवाने मे तकलीफ होगी।

अपने बच्चो को अनियत्रित न होने दे। ''छडी ओर डॉट से बुद्धि प्राप्त होती है'' (नीति 29:15) उन्हे गुस्सा करने देने के बजाय पिता को माफ करना व प्रार्थना करना सिखाइये। जब गुस्सा चला जाएगा तब दर्द महसूस होगा तब उन्हे परमेश्वर की दी हुई शांति पर भरोसा करने के लिये कहिये।

इस पद ने मेरे पॉच वर्षीय बेटे की बहुत मदद की। ''मैं तुझे कभी न छोडुगां और न कभी तुझे त्यांगूगा। (इब्रानियो 13:5) आपके बच्चे अभी भ्रमित है इसलिये उन्हे स्पष्ट निर्देश दीजिये। (अधिक जानने के लिये बुद्धिमान स्त्री से लिया गया ''अपनी माँ की शिक्षाये'' वाला भाग पढ़िये। फिर से दोहरा रही हूॅ कि अगर आप में नियंत्रण की कमी होगी तो आपको इसे लागू करने में तकलीफ होगी।

सावधान रहे, आसान राह न चुने । यह राह आसान लगती है पर अंत में इसमें ज्यादा उदासी है। जो परेशानी, तकलीफे, ह्रदय का दर्द जो आप अभी झेल रही है। बाद में कई गुना ज्यादा होगा। हमने कई मुश्किल वैवाहिक जीवन, अलगाव व तलाक देखे है। आपको आगाह करना चाहते है किसी भी विचार , किताब या अन्य लोगों द्वारा जो संसार पर चलकर आपको वहाँ तक ले जाना चाहते है, उनका अंत हमेशा आपदा के रूप मे होता है।

सँकरा है वह रास्ता जो जीवन की ओर ले जाता है, थोडे है जो इसे पाते है। ''संकेत फाटक से प्रवेश करो, क्यों कि चौड़ा है वह फाटक और चाकल है वह मार्ग जो विनाश को पहुंचाता है। (मत्ती 7:13) अपने हर निर्णय मे संकरे मार्ग को देखे। कृपया सावधानी रखे जो आप पढ़ती है उन किताबों का आधार दार्शनिक, मनोवैज्ञानिक या विवाह परामर्श दाताओं का होता है वे आपके दिमाग को तर्को से भर सकते है लेकिन वे बाईबल पर आधारित नही होती। ये नष्ट करने वाले तर्क परमेश्वर के सिद्धांतो के विपरीत आपके वैवाहिक जीवन को पुनः स्थापित करने के बजाय और पीछे ले जायेंगे। हमने बड़ी मुश्किलों से यह सबक सीखा है जो किताबे ऐसे विषयों पर आधारित होगी जैसे ''मुश्किल प्रेम '' ''सह –निर्भरता'' इन्होने वैवाहिक जीवन को और धक्का पहुंचाया है। इन तर्को ने हमारे वैवाहिक जीवन को और नुकसान पहुंचाया है। इसके बजाय अपना दिमाग परमेश्वर के वचन से ताजा करते जाये। अगर आप उसके वचन पर ध्यान करते है। तो भजन 1 मे परमेश्वर का वायदा है आप हर बात मे उन्नति करेंगे।

परमेश्वर की ओर देखे जो सामर्थ आपको मानसिक रूप से मिलती है व स्त्रियों को प्रोत्साहित करे कि वे अपने विवाहित जीवन के लिये परमेश्वर पर भरोसा रखे कृपया अपने परामर्शदाता (परमेश्वर का वचन) के पास जाये, वह मुफ्त है, आपका पैसा बचाता है ओर आपके विवाहित जीवन को भी बचाता है। परमेश्वर चाहता है आप अपने आप को उसे समर्पित कर दे। व्यवसायिक लोगो से दूर रहे। हरेक व्यवसायी का अपना तरीका व विश्वास होता है वैवाहिक समस्याओं के लिये कई हजारों से किताबे मौजूद है। अगर उन सब में जवाब है तो फिर ये तलाक की महामारी क्यो फैली हुई है।

कहॉ से शुरू करे ? क्या करना चाहिये ? अपने बरबाद घर को चट्टान पर खड़ा करने की सोचना चाहिये। ''इसलिये जो कोई मेरी ये बाते सुनकर उन्हे मानता है वह उस बुद्धिमान मनुष्य की नाई ठहरेगा जिसने अपना घर चट्टान पर बनाया'' (मत्ती 7:24) ''हर बुद्धिमान स्त्री अपने घर को बनाती है पर मूढ़ स्त्री उसको अपने ही हाथों से ढा देती है'' (नीति 14:1) ''घर बुद्धि से बनता है और समझ के द्वारा स्थिर होता है। ज्ञान के द्वारा कोठरियॉ सब प्रकार की बहुमुल्य और मनभाऊ वस्तुओं से भर जाती है। '' (नीति. 24:3–4) हरेक बातो मे परमेश्वर का ध्यान करो ''इसलिये हम उसके द्वारा स्तुतिरूपी बलिदान अर्थात उन होठो का फल जो उसके नाम का अंगीकार करते है,

परमेश्वर के लिये सर्वदा चढ़ाया करे।'' (इब्रानियो 13:15) ''प्रभु मे सदा आनंदित रहो , मै फिर कहता हूँ। आनंदित रहो''(फिलि. 4:4)

सचमुच मे प्रार्थना करना सीखे । ''और मैने उनमें ऐसा मनुष्य ढूँढना चाहा जो बाडे को सुधारे और देश के निमित नाके मे मेरे सामने खड़ा हो, कि मुझे उसको ऐसा नाश न करना पड़े, परन्तु ऐसा कोई न मिला'' (यिजकेल 22:30) अपने पति के रास्ते मे मत खड़े होइये।

हर विचार को परमेश्वर मे बॉध लीजिये। ''सो हम कल्पनाओ को और हर एक ऊँची बात को, जो परमेश्वर की पहिचान के विरोध मे उठती है, खंडन करते है और हर एक भावना को कैद करके मसीह का आज्ञाकारी बना देता है। (2 कुरूं 10:5)

अपने दिमाग को यीशु के समान होने देने के लिये ताजा रखने से शुरू कीजिये। और परमेश्वर जैसा आपकी दशा को ऊपर से देखता है वैसा देखिये । बुद्धिमान स्त्री लीजिये और अपनी मित्र के साथ मिलकर इसे पढ़िये। अपने स्थानीय क्रिश्चियन बुक स्टोर से बाईबल के वायदे पुस्तक खरीदकर (बहुत ही सस्ती) अपने बाथरूम मे रखिये। कई स्त्रियॉ इस जगह को अपनी प्रार्थना कोठरी के रूप में इस्तेमाल करती है। विशेषकर जब उनके पति व बच्चे घर पर होते है यह वह शरण स्थान है जहॉ आप अपने ऊपर परमेश्वर के वायदे उडेल सकती है।

3✖5 के कार्ड लाईये ओर उसके ऊपर बाईबल की अलग–अलग आयते लिखिये ताकि आपका दिमाग ताजा बना रहे आत्मा मे लड़ाई करने के लिये (आत्मा की तलवार परमेश्वर का वचन है) और जब आपके ऊपर भय का, शक का झूठ का कोई आक्रमण हो तो इन आयतो की शरण ले सके। इन्हे अपने साथ रखे व बार–बार पढ़े। अपनी समस्याओं के बारे मे बाते करना बंद कीजिये व परमेश्वर की सुनिये व उसका वचन पढ़िये । भजन 1 आपको परमेश्वर का वायदा देता है ''परन्तु वह तो परमेश्वर की व्यवस्था से प्रसन्न रहता , और उसकी व्यवस्था पर रात–दिन ध्यान करता रहता है''। (भजन 1:2)

मैं यह आपको आजमा कर बोल रही हूँ कि आप इस किताब को पढ़े व दुबारा इतनी बार पढ़े कि आप इसे पहन ले या 3✖5 के कार्ड बनाकर उस पर आयते लिखे जिनकी आवश्यकता है तो आप उन वचनो पर ध्यान कर सकती है। लगभग हर स्त्री जिससे मैं मिली हूँ जिसका विवाहित जीवन बच गया। उसने यह या दोनो चीजे पूरी की थी।

किसी भी विवाह मे इतनी देर नही हुई है। ''मनुष्यो से तो यह नही हो सकता, परन्तु परमेश्वर से सब कुछ हो सकता है।'' (मंत्ती 19:26) यह ध्यान रखे कि यह सच नही है कि आप व आपका पति दोनो साथ–साथ विवाह को बचाने के लिये मदद मॉगे । हमने उन स्त्रियों मे अच्छे परिणाम देखे है जिन्होने अपने पति के हृदय को बदलने के लिये और उस पर कार्य करते रहने के लिये परमेश्वर से प्रार्थना की थी। एवं परमेश्वर विश्वसनीय था '' उनके फलो से तुम उन्हें पहचान लोगे क्या झाडियों से अंगुर वा ऊंटकटारों से अंजीर तोड़ते है।? ''सो उनके फलो से तुम उन्हे पहचान लोगे।''(मत्ती 7:16,20) यही प्रार्थना हम आपके लिये करती है। कि आप सचमुच इस बात

को देखे कि कैसे एक धार्मिक स्त्री सभ्य व शांत आत्मा के साथ जो भविष्य पर मुस्कराती है, अपने पति की सचमुच कैसे मदद कर सकती है।

कब तक ? कई स्त्रियो ने यह पूछा है कि कब तक उनके पति जाते रहेंगे या कब तक उनकी ये आजमाईश चलेगी। अगर आप उसे एक यात्रा के रूप में सोचे तो ये आपकी मदद कर सकती है कितना समय लगेगा ये आप पर निर्भर करता है। जैसा कि प्रभु आपको एक क्षेत्र दिखा रहा है जिसमे वह कार्य कर रहा है। तो उसके साथ कार्य कीजिये। प्रतिदिन के जीवन मे भटक मत जाइये। शैतान आपके सामने संसार की चिंताये लायेगा जिससे आपका ध्यान भटक जाये। आपका पुनः स्थापित परिवार का लक्ष्य भटक जाये।

कई बार यह यात्रा रूक जाती है तो अगला कदम आज्ञाकारिता का उठाइये। हमारे " प्रोत्साहित बनिये" वीडियोज का आडियो टेप आपकी मदद कर सकता है। जब आप इंतजार करके थक गई हो तो निराश मत होइये। यह वह समय है जब परमेश्वर हमारे विश्वास को बढ़ा रहा है। हमारा ध्यान उसके कार्य करने पर केंद्रित कर रहा है।
जो चाहिये वह है आज्ञाकारिता , जिसके कारण मानसिक ताकत हमारे बदले मे कार्य करेगी। ये जरूरी नही कि परमेश्वर हमे निरंतर ये बताये कि वह क्या कर रहा है। हम जानते है कि वह अपने उद्देश्य को पूरा करेगा चाहे जो हो या चाहे जो गलतियॉ हमने भी की हो। हमें विश्वास करना चाहिये कि वह लोगो के साथ मिलकर हमारे भले के लिये हालात को ठीक कर रहा है।

हमारे पास और मदद उपलब्ध है।

जब स्त्रियॉ लगातार थकी हुई व आशा की तलाश मे आती है तो हम उन्हे वेबसाईट द्वारा मदद, दया, तरस, मार्गदर्शन एवं उनके रिश्तों व विवाह को बचाने के लिये वेबसाईट मे सहभागिता का प्रबंध करते है ताकि उन्हे मदद मिले।

हम आपको इस सहभागिता के लिये आमंत्रित करते है। हमने हमारे मिनिस्ट्रीज के इस क्षेत्र में कई अद्भूत प्रशंसा वाली रिपोर्ट पढ़ी है और लोगो को भी बताने के द्वार खोल रही है। इससे अधिक हमारे लिये रोमांचक और क्या होगा कि हमने नियमित आधार पर संबंधो को सुधरते देखा है। जो कभी संभव नही था।

हम आपकी मदद करना चाहते है कि आपको एक ई–पार्टनर मिले जो एक प्रोत्साहन – प्रार्थना करने वाला व जिम्मेदार साथी है। एक महिला दूसरी महिला के साथ जुड़ी रहेगी जो समान परिस्थितियों से गुजर रही हो और जिनके हृदय मे चाह हो कि उनके जीवन का हर हिस्सा फिर से सुधर जाये। अगर आप इसमे भाग लेना चाहती है तो हमारी वेबसाईट पर आये।

RestoreMinistries
or
EncouragingWomenorg

इसके साथ ही, हमारी सारी पुस्तके मुफ्त है पढ़ने व प्रिंट करवाने के लिये और वेबसाईट पर सदस्यता भी मुफ्त है। कई स्त्रियाँ इन परिस्थितियों में परिवर्तन के लिये ''बुध्दिमान स्त्री'' पढ़ती है – यह पुनः सुधार के लिये विवाहित जीवन में नींव का कार्य करता है।

जब आपको प्रत्येक जन यह कह रहा हो कि आपकी स्थिति आशाहीन है तब हमारे पास आपके लिये एक गवाही पुस्तक है ''उनकी गवाहियों के द्वारा'' । यह किताब कई निष्फल विवाहो की गवाहियों से भरी हुई है कि कैसे परमेश्वर ने आश्चर्यजनक रूप से संभाला। अगर आपके माता–पिता, मित्र, पास्टर और सहकर्मी सोचते है कि आप पागल हो गई है क्योंकि अभी भी आपको विश्वास है कि परमेश्वर आपके विवाह को बचा सकता है । उनको यह पुस्तक दीजिये फिर देखिये वे आपको **निराश** करने के बजाय **प्रोत्साहित** करने लगेंगे।

हमारे पास एक और पुस्तक है ''प्रश्नोत्तर'' जो विवाह व सुधार संबंधी कई प्रश्नों के उत्तर देने में मददगार है । इस पुस्तक मे 300 प्रश्न है जिनके उत्तर बाईबल से दिये गये है । इस विवाह में आप परमेश्वर के सिध्दांतो को सीख रहे है या उनके साथ कैसे चला जाता है, इससे संबंधित बहुत सारे उत्तर है।

हमारा सबसे प्रसिद्ध स्त्रोत विडियोज श्रृँखला है जो कई प्रश्नों के उत्तर विस्तार से देती है –

''प्रोत्साहित होईये'' वीडियो सीरीज । ये उन सभी प्रश्नों के उत्तर देगीं जो आपने आज्ञाकारिता में चलना सीखने के दौरान पढ़े है ।

ये पुस्तके जैसा मैने आपको पहले बताया मुफ्त है और प्रिन्ट करवायी जा सकती है और सदस्यता भी मुफ्त है । तो कृपया कुछ क्षण लीजिये हमारी वेबसाईट पर आने के लिये ।

हम हमारी वेबसाईट के द्वारा आपकी मदद करना चाहती है और आप के प्रार्थना–निवेदनों पर प्रार्थना करेंगी । तब तक मुझे आपके लिये प्रार्थना करने दीजिये–

''प्रिय परमेश्वर, हमारी इस प्रमुख बहिन को उनके विवाहित जीवन में आई परेशानी के लिये मार्गदर्शन दीजिये । और उनके कान वचन को सुने और ये आवाज सुने कि यही वह रास्ता है, इस पर चले और जब कभी तुम दाहिनी वा बाई ओर मुड़ने लगो, तब तुम्हारे पीछे से यह वचन तुम्हारे कानों में पड़ेगा, मार्ग यही है इसी पर चलो ।'' (यशायाह 30:21)

कृपया उसे विश्वास दिलाईये और यह जानने में मदद कीजिये कि अगर वह आपके पीछे चल रही है तो उसके साथ ऐसा नही होगा । ''तेरे निकट हजार और तेरी दहिनी ओर दस हजार गिरेंगे।'' (भजन 91:7) उसे आपके शरण देनेवाले पंखों तले रखिये ।

''उसे संकरा मार्ग चुनने में सहायता करें जो जीवन की ओर ले जाता है । उस भरपूर जीवन के लिये जो आपके पास उसके लिये है, उसके परिवार के लिये है। परमेश्वर पिता, मै एक गवाही के

लिये दुआ करती हूँ कि आप उसे अपनी महिमा के लिये इस्तेमाल कर सकते है जब उसका परेशान विवाहित जीवन चंगा हो जाये व पुनः सुधर जाये । हम आपको पूरा सम्मान व महिमा देते है । **आमीन**।''